अमर उजाला

रूपायन

शुक्रवार ■ 03 फरवरी 2023

क्या ये अकेलेपन का अंत है !

अंदर के पन्नों में

वास्तु। फैशन। परवरिश। कॉफी टेबल। फूड कॉर्नर। टैरो कार्ड

डॉ. रश्मि जैन
वास्तु विशेषज्ञ

बहुत से लोग यह सोचते हैं कि इतने परिश्रम के बाद भी पैसे क्यों नहीं आ रहे? क्या घर में कोई वास्तु दोष है? ऐसे में क्या करें कि भाग्य, स्वास्थ्य एवं प्रेम के प्रवाह में वृद्धि हो और धन भी आकर्षित हो।

कभी नहीं होगी पैसों की कमी

आधुनिक युग में मध्यम वर्गीय परिवार के लिए एक सुंदर, सुरक्षित और सुविधापूर्ण आशियाना बनाना किसी सुंदर सपने के पूरे होना जितना सुखद होता है। इसके लिए वह अपने जीवन भर की कमाई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा निवेश करता है। लेकिन कई बार नए मकान में प्रवेश या खरीदने के बाद गृह स्वामी पर आर्थिक दबाव इस कदर बढ़ जाता है कि वह अपेक्षित धनार्जन में संघर्ष करने लगता है और परेशानी महसूस करने लगता है। यदि यह संघर्ष बढ़ता जाए और परिस्थितियां सामान्य न हों तो घर के वास्तु का पुनर्निरीक्षण कर लेना चाहिए, क्योंकि यदि मकान बनाकर उसमें रहने से परिवार को सुख, शांति, आर्थिक लाभ और सामाजिक प्रतिष्ठा न मिले तो घर बनाने का उद्देश्य ही निरर्थक हो जाता है।

वास्तु का सही अर्थ है कि भवन के अंदर प्रत्येक कक्ष और दिशा अपनी सकारात्मक विशेषताओं को सक्रिय कर दे। इसके लिए कुछ सामान्य वास्तु निर्देश हैं, जिनको घर में समायोजित करके हर गृहिणी खुद को और परिवार को अपेक्षित सुख एवं समृद्धि की ओर ले जा सकती है।

पौधरोपण बुध ग्रह को बल प्रदान करता है। यह घर की उत्तर दिशा के वास्तु दोषों को शांत करता है।

- घर का ईशान कोण, जहां के देवता स्वयं भगवान शिव और ग्रहीय देवता गुरु अर्थात बृहस्पति हैं, को शास्त्रों में बुद्धि एवं विवेक का संगम माना गया है। इस क्षेत्र में पूजा घर के साथ एक अध्ययन कक्ष बनाना आपको सही समय पर उचित निर्णय लेने में सहयोग प्रदान करता है। ईशान कोण में काले और लाल रंगों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इस क्षेत्र की उत्तरी दीवार में चांदी का स्वास्तिक लगाना आपको अप्रत्याशित सकारात्मक परिणाम दे सकता है।
- भगवान कुबेर संपन्नता और समृद्धि के प्रतीक हैं और घर के उत्तरी दिशा के अधिपति देवता हैं। आर्थिक लाभ के लिए उत्तरी कोण में कुबेर यंत्र स्थापित करना चाहिए और मिट्टी के गमलों में पत्तेदार पौधे लगाने चाहिए। इस दिशा में लाल और गहरे पीले रंगों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। तांबे या मिट्टी के बर्तन में पानी के साथ कमल और कमल पत्र रखने से भी आर्थिक अवसरों में बढ़ोतरी होती है।
- घर के आग्नेय कोण का सीधा संबंध सेहत, पोषण, मंगल कार्यों और आर्थिक संपन्नता से होता है। इसलिए यहां रसोई घर होना सर्वश्रेष्ठ माना गया है। जहां तब संभव हो, यहां पर नीले और काले रंगों का इस्तेमाल न करें। घर के आग्नेय कोण में ब्रास की कामधेनु गाय की मूर्ति रखने से भी इच्छापूर्ति में सहयोग प्राप्त होता है।
- घर के पश्चिमी क्षेत्र के स्वामी, जल के देवता वरुण हैं। इस दिशा का सीधा संबंध कठिन परिश्रम के बाद प्राप्तियों से माना जाता है। इसलिए इस क्षेत्र में लाल रंगों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। घरों में टपकता या व्यर्थ में बहता पानी भी धन हानि की ओर संकेत करता है।
- सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण बुध ग्रह, जो वास्तु और ज्योतिष में बुद्धि एवं विचार के आदान-प्रदान के कारक देवता हैं, को बल प्रदान करता है। यह घर की उत्तर दिशा में उपस्थित वास्तु दोषों को शांत करता है।
- घर में महिलाओं का सम्मान आग्नेय दिशा से जुड़े वास्तु दोषों को शांत करने की क्षमता रखता है और माता-पिता, सास-ससुर का सम्मान ईशान कोण से जुड़े वास्तु दोषों को शांत करता है। ऐसे में आर्थिक संपन्नता के लिए घर के अंदर ही वास्तु दोषों का निवारण कर लें और नित्य कर्म में भी वास्तु नियमों का पालन करें। व्यवस्थित और कलहमुक्त घर, जहां बड़ों के साथ महिलाओं-बेटियों का सम्मान होता है, ऐसा घर सुखी एवं संपन्न जीवन सुनिश्चित करता है।